Dr. Kaushal Kumar
Economics
B.A. I

[illegible] नहीं है। सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री सीनियर के अनुसार अर्थशास्त्री का ~~[illegible]~~ [illegible] एक शब्द भी नहीं बोल सकता। आधुनिक काल में प्रो॰ रॉबिन्स ने भी इस विचार की पुष्टि की है। इनके अनुसार, अर्थशास्त्र उद्देश्यों के बीच तटस्थ है (Economics is neutral between ends) रॉबिन्स के शब्दों में "अर्थशास्त्र उद्देश्यों बीच तटस्थ है।" उद्देश्य अच्छे या बुरे और [illegible] नहीं हो सकते। जैसे एक कार्य को करने का तरीका [illegible] या [illegible] हो सकता है किन्तु उद्देश्य या उद्देश्यों [illegible]
दूसरी तरफ हॉट्रे, कूटस, ग्रेवर आदि अर्थशास्त्री ऐसे हैं जो अर्थशास्त्र को आदर्श विज्ञान मानते हैं (इनके मत में अर्थशास्त्र को नीतिशास्त्र Ethics से पृथक नहीं किया जा सकता। [illegible] अर्थशास्त्री [illegible] जैसे Hawtrey आदि अर्थशास्त्रियों के अनुसार, अर्थशास्त्र को उद्देश्य रहित नहीं माना जा सकता। इनके अनुसार "अर्थशास्त्र को नीतिशास्त्र से पृथक नहीं किया जा सकता"
निष्कर्ष: इस प्रकार अर्थशास्त्र विज्ञान एक [illegible] है। [illegible] को वास्तविक एवं आदर्शात्मक विज्ञान के [illegible] [illegible] अर्थशास्त्र न तो [illegible] अर्थशास्त्र [illegible] [illegible] वास्तविक विज्ञान के रूप में [illegible] बात का अध्ययन करता है कि [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] अर्थशास्त्र [illegible] आर्थिक [illegible] के [illegible] पर [illegible] [illegible] करता है [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] इस प्रकार [illegible] [illegible] अर्थशास्त्र [illegible] भी है।

अर्थशास्त्र की सीमाएं (LIMITATIONS OF ECONOMICS)

[illegible] [illegible] की सीमाओं की जानकारी से हमें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कौन-कौन सी बातें [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] कौन सी बातें [illegible] बाहर की हैं। सीमाएं [illegible] [illegible] और कौन सी बातें [illegible] [illegible] हो जाती हैं। अर्थशास्त्र की जानकारी को [illegible] [illegible] स्पष्टता आ जाती है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] परिभाषा को [illegible] करते [illegible] [illegible] [illegible] अपने दृष्टि तथा रॉबिन्स की अर्थशास्त्र की सीमाओं का [illegible] [illegible] रूप में [illegible] है।
प्रो॰ मार्शल के अनुसार अर्थशास्त्र की सीमाएं (Limitations of Economics according to prof. Marshall) prof. Marshall [illegible] [illegible] परिभाषाओं के आधार [illegible] [illegible] [illegible] सीमाएं हैं:-

(i) अर्थशास्त्र में केवल मनुष्य की आर्थिक क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है।

(ii) किन्तु इसमें सामाजिक, वास्तविक तथा सामान्य मनुष्यों की आर्थिक क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, साधु, संन्यासी, काल्पनिक तथा असामान्य व्यक्तियों की क्रियाओं का अध्ययन अर्थशास्त्र के क्षेत्र से परे है।

(iii) अर्थशास्त्र में मनुष्य की केवल आर्थिक क्रियाओं का ही अध्ययन किया जाता है। यानी अर्थशास्त्र में मनुष्य की केवल उन्हीं क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है, जिन्हें मुद्रा-रूपी-मापदण्ड से मापा जा सके।

(ख) Prof. Robbins के अनुसार अर्थशास्त्र की सीमाएँ—

(i) अर्थशास्त्र में मनुष्य की प्रत्येक क्रिया के केवल आर्थिक पहलू का ही अध्ययन किया जाता है यानी इसमें उन क्रियाओं का भी अध्ययन किया जाता है, जिनका द्रव्य से कोई सम्बंध नहीं है।

(ii) अर्थशास्त्र में सभी प्रकार के मनुष्यों चाहे वे समाज में रहते हैं या नहीं की क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। इस प्रकार रॉबिन्स ~~के अनुसार~~ ने अर्थशास्त्र को एक मानव विज्ञान (Human Science) माना है।

(iii) रॉबिन्स के अनुसार, अर्थशास्त्र वास्तविक विज्ञान (Positive science) है, आदर्श विज्ञान अथवा कला नहीं। इस प्रकार अर्थशास्त्र की विषय सामग्री, प्रकृति एवं सीमाओं की जानकारी से हमें इसके क्षेत्र का पूरा ज्ञान हो जाता है।